

अथ वं सवु का ड च वं स वि कु द व प्र ल्य वं स ज तं ति
शक्ति ति ॥ वा वा ह ॥ ५ ॥ का या ०० ड का म द व प्र न स
र मा हा द व क न वं स स रं ति कू मा त्रि ॥ वा वा ह ॥ ६ ॥
न ड द्वा न ड ना थ गि व ति ड ग ना थ वं स प्र ति वं स
नि क दान ॥ वा वा ह ॥ ७ ॥ र ति हा थ हा थ र ति च त थ
वि श्व त व ना थ र ति वं का न ह व ति मा न ॥ वा वा ह ॥ ८
म च्छि द न व न ग ति च तं ति ग्य त थ ड ति कू दि या त्र दि
रे दि रं न डानि ॥ वा वा हा ॥ ९ ॥ स म्ब त् २११ ग म डार १०

गीतिका मंत्र विष्णु मंत्र ॥ १ ॥
 इति मन्त्रानां क्रमः नित्यं विधानेन ॥ इति ह दयक
 किं न विष्णु सगुणं तत्कालं ॥ २ ॥ मनसं तत्रासक्तं
 न चायमत्र विष्णुः न च विष्णुः सगुणः ॥ ३ ॥ म
 नन उडा श किं न क ह न कामया न स विरह न उयिनि ॥
 ड न ॥ ४ ॥ सितल वचन श्वस्य क ह न ड ड विष्णु ड न
 मन नो गुडिष ड नो ॥ ५ ॥ सिलिहिन मिषा क स्याथि विनुर
 लता तस्य किं न गल वा या श दि स न ॥ ६ ॥ ड न वि र मन म ड
 क स ॥ रोग स ड ड वि ड सा ग माय म रु यी ॥ ७ ॥ य ध्य न
 वि स सदि स्य कामय श न पु स्य वा ना ध स ल त म रु य ॥ ८ ॥

पयाय थ वि र क स्य वि वि मूष ० ३ ० ० स्य मु ड न वि सु
 ति या ग ॥ ९ ॥ यस्य न म द त त स य थ थ धा लो क स्य न य थ वि
 न र मि र ल पि ॥ १० ॥ न का या त नु नि ह ल न स स म ग म क थ
 नि वृ न धा ल म श्व स्य म रु या ॥ ११ ॥ न का या काम रोग स
 क न द या द र म यि ति प त स र श स त मा नि ॥ १२ ॥ वा य
 ग थ थ पि र ति न स न र यि ड म यि थ नु ग ल ग थ ग या ड
 न ॥ १३ ॥ वा स वा न थ पि र ति थ नि वं कि ड म यि ताल ता ड श
 न म न म ड ॥ १४ ॥ ग न सा य त ना ल ह दि स न म ड स थ वि
 वि र क स्य वि वि मूष ० ३ ० ० स्य मु ड न वि सु
 ध नि ड म थु दि स न म ड स थ वि वि र क स्य वि वि मूष ० ३ ० ०

यथा यथा च पालनं यथा तल ज्ञादयि मधु धुग्दु स्वस्य विन
यथा यथा शक्रा ॥ यनि डा जमन वि स्या जम नाशाय सखास
विमोहा धक यान मधु ॥ १० ॥ स्वस्य नमगम क मयि उ
नमिषा गगल डा विमस्य द डा पुताया द्वा सत्र ग सया मधु
नाश डा समान पुर वि ममस का म द डा ग य ॥ ११ ॥
गग ॥ श्री कथा ॥ हनिश डा नम ल्य डा पुर दयि वन यन ॥
नकाया ग इति इल पुला मिने डा ग का डा नि वि ज न क दा काय द्वा
सिने ह न वा हा म डा सि य म द डा डा नाप व य कु ० यन वि पुला मि द्वा
निल हिल विल विन धन वि स्या गल जित सुख न वि यो न ध काम न ॥
धन द डा गल य डा धन म स वा डा आ डा धल लय म द य के यन ॥
अवल ति वि या गाने वि नम वा ह म न कु दा काय विन ध दूष स ॥

प्राप्त स्थाने नुगल म विन आ डा गन शनी लाग डा पुर द ॥
त्रि पु नि ध हिल म न काम या ता न न पाल धा व म सिने ह न वा य
मुप द डा डा मि ज न थि ग्या म म द्वा ध म वि ति श्रि डा ल या य य
डा ॥ १२ ॥ ति मि म द डा मि ज ने इल जिके गन मन या य ध
न कु गु लि य गान ॥ पु र प या क मा ० न सुष सि य
म द्वा ध म कु या प सि ने ह वि नान ॥ १३ ॥ डा ल डा न
इ व व शत आ का स न डा ल जि ग सु नान मन वा ध म वि
डा ॥ स व न सु या क या य मि सा गा ति अ व ल न वि ध म
गान विल जि ग डूष ॥ १४ ॥ नम न डा मि ज न कु थु या
पु सा मि ज न ल जल य डा पुर द ॥ १५ ॥ वि ज ग्या

निमि साङ्गलपु पुषङ्गनाप ती यस तिगति लायी डामि
साङ्गा ॥ १ ॥ कमल नदि गवन मुनि ति थिङ्गल काम
दि नव साध थ मास कृष् ङ्गा लङ्गल पङ्गा पु पुष
सज नलु या क या य न न मुनि द्य प न ता प ङ्गा ॥ १ ॥
१ नाग ॥ मान सि ॥ खरु ति ॥ माता द वि ॥ जय रग्गु का
नी लिख वन नानि ॥ माता ॥ १ ॥ अथि सि दि व न दानि
पीयू ता स न मा नि नि ॥ अगम निगम लु दि द वी अगन
अन नि ॥ माता ॥ २ ॥ अथ अमि लि स न द व न स द म ल य धा

नी नि २ रु रु स न क्र म ना य न सि न खे म धा य दाना नि ॥ मा
ता ॥ ३ ॥ अथ जय थ क ता नि न न सा क या ता नि २ सि व स
कि अ न थ गि न्द्र य व न दानि ॥ माता द वि ॥ ४ ॥ ॐ ॥

लागा॥ कारुणाक्षिका॥ विनागिकियातः यत्तकननागडा
मालां मायि दवि थकूना निरुडा गिनि॥ ५२ ॥ श्रीखन्दुर्वन्द
ययञ्च पंवा मिगवि स॥ उरुं लिजि रतनाना खान् यामा
लरु॥ ॥ किउलि वरनजगिः सुकु काटि मड उ४ गिः अडाअ
मिसलर नाना दयिक या का ल॥ ॥ गिखवन थायि मः दवत्त
सव दथिकः ढं दण मनसः अक अ मल रूजा न॥ ॥ आज
ययन कासन वा दकि वलन वा सः पलल विज्रास जि

गसन या वित्रास रु अगिनि॥ ४ ॥ ॥ ३९ ह मं हं ह वं ३॥

नाग॥ सितकमलाकूचमञ्जुलध्वजद्वय॥ कलि
नललितननमाल॥ जयश्रवणहस्तदिनमनिमद
तमञ्जुलरवधन॥ मनिजनमानसहस॥ कालि
यविरवधुनगौत॥ जनलभुन॥ यद्वलनलिनदि
न॥ मधुसूदनलकविनासिनिगनअसनसुगलक
लिनियान॥ ॥ अमलकमलदलशायनरवमाचन॥ शिव
वनरवनमिदान॥ ॥ जनकसुगाकाखनजिगद्वयन

समलसमिगदसक॥ ॥ अरिनपङ्कलधससुधल
विधिगमदल॥ श्रीमुखयधुनकाग॥ ॥ गवयलनयनगा
वयमिगिरावयाकूतकूतलयनगव॥ ॥ श्रीजयदेवकव
सिदं कूतमूदर॥ मङ्गलकलमिग॥ ॥ शुभमंग॥
नाग॥ दडावनालि॥ ख॥ ॥ सखिदं गडात्रिलव
दखलश॥ ॥ मित्रिवनवनसमज्ञमियकश

यत् मा गत धर्तुं तं गं जायि ॥ कनचा उर जागि
किंचुनहि मा गत मा गत मा गत मा गत मा गत ॥
शं गं वि हंति मा गत मा गत मा गत मा गत मा गत ॥
न व न व जायि ॥ हं न य वि द्या वति ॥ न च न
व ॥ ति ॥ मा गत तं दा नि व वत ॥ ॥

श्रीमन्नारायणाय नमः

नाग ॥ नाम नाम कोडा त्रि डी नृनि न स या डाल्यः धृ त्रि ए न या
अथ मया य डाल्या क न्या ॥ अ न ॥ रु मया इ डाल्या न डाल्या न र मा त्रि डाल्या
न ग्या क ल्याः स र ध न म न य रु गु नि न सा डाल्या ॥ माया भा हा न म
ना ह म न न त्रि का डाल्या य न डाल्या का न रु स ना दू न्य सि या डाल्याः
ज्ञा क द्म अ ना थ सि स्य त्रि चा न या डाल्याः य यि व न या को रु नः ॥
रु न द्म चा डाल्या ॥ सं ११ वे ॥ अथ शुदि १० या या रु ना गु ह ॥ ४ ॥

५२५५ का। ४। ५१७

नाग॥ नमो विनाडा॥ हमात्र हमात्र मियाधनिडे जात्रया दाडा पु
 नि न्ना नदन विन्ना कत्रतन॥ अमर का मनाद विहवा
 नि॥ १॥ मउकल मषमति वत्रतनडा डनि॥ मोहा
 लवि मोहा हिनि रुमाडा॥ अमर॥ मइन डिमव
 गति छिसत्रनन स्यमति दत्रसन डाया छिसत्र॥ ३
 अमर॥ मरुया छिरी डा र गतिन मडिन छिरी मति
 निनधन वल पइया॥ अमर॥ ४॥ कहना दयाडा

उतिरुतकिडाजिविवति॥ दयादयगत्रिवभाका
॥ ५॥ छिगुतिषेकाप्रभमिखररुयिडासुजव
नगुति, महिडसिहस्रमाना॥ अय२ कामना
द्विविवानि॥

ताजकतातानकैयकात॥

ताजकातानुकता॥ हवानिहधुगुइवदूतकिना॥ बाल
खयाजनमतइविकजिवायसत्यसायतसकतनामि
स्वानहवानिह॥ १॥ मायप्रदुष्टिरजनद्विद्विद्विवायिंधी
ननविडाछियात्रियाथसतिडायमननयकागडसदा
डाहवानिह॥ ३॥ धनजनतातताडाइयधनधनसय
शुभानिगामनयदयाहवानिह॥ ४॥

हवानिहधुगुइवदूतकिना॥

हो क क जितान व शो र न छि च्छ क या य जन मे २ छि र
न न र वा नि ह थ गु इ ध रू त कि न तो न ॥ ज ॥ श्री ग ने सो य न म

ना ग ॥ च ना भि ॥ जन नि मा ता त्व ह ज ग दि हा नि श्रा षा ॥ ध्रु ॥
उ डायै द या वि न न दि

कृति प्र॥ १॥

रामग॥ धनाथी॥ जननिमाता हृदयगदिभ्यनिजास॥ धृ॥ गुडा
यदयकेकध्यानकयमयः माहिनिजनाधउधनकना॥ जननिमा
ता॥ १॥ गुडादयाविननहिआनगतिमात्रः दविषयदराडाएयति
मात्रधन॥ जन॥ २॥ कृतकगदयनदखनहिहान्यः ॐ हादधिः
स्यवकनाखासन॥ जन॥ ३॥ निग्रदीसहनमात्राद्वितविमानस
वविष्कननकहृदहायदमचात्रिमाता॥ जन॥ ४॥ श्रीकृष्णजोग
नत्रिलुचयतिगमअयः नितनितदयसनदहाहवानि॥ जन॥ ५॥

रामग॥ २॥

रामग॥ कृता॥ प्रकृता॥ हवानिहृथगुदखहृगकननान॥ धृ॥
वालखयाकनममइविकक्रियायमयः साययलकलनामिमान
हवानिह॥ १॥ यायमहृकिहृकनाकि२क्रियार्धधनयः उतया
किमत्रिलगदाडाहवानिह॥ २॥ चवननमवनविडाक्रियात्रियाथा
सुतिडायः मततयताकागउमदाडाहवानिह॥ ३॥ धनजनतात्र
ताडाकयधनाअवर्मसयः अग्यानियामनयययाडाहवा
निह॥ ४॥ हाकप्रकाजिवागवआसाहनकिहृदप्रययः जनम
शक्तिमननहवानिह॥ ५॥

वावाह २३

मम व्याहागताः वज्रति ॥ वावाह सवद वसति तति
तने ॥ श्री नमो उ नम द ड न वि नि मा ना क सं विष्णु द ड
वृजं नित्यता न ॥ वावाह ॥ १ ॥ इय वाह ह डं वन द वि व
सं जाति त्रिं ग ॥ डि व श ग्य व स स न सति ॥ वावाह ॥ २
ॐ उ ना न ॐ उ नित नति वा व ड न द व ॥ म ह र्थ न व
स्य ति गु सा हि ॥ वावाह ॥ ३ ॥

वावाह २४

मम व्याहागताः वज्रति ॥ वावाह सवद वसति तति
तने ॥ श्री नमो उ नम द ड न वि नि मा ना क सं विष्णु
द ड वृजं नित्यता न ॥ वावाह ॥ १ ॥ न सा न यं ड ना व स
हि द य वा स वि ना ग ॥ वाइ का न व स व ह सति ॥ वावाह
२ ॥ इय वाह ह डं वन द वि य स जा ति त्रिं ग ॥ डि व श ग्य व
स स न सति ॥ वावाह ॥ ३ ॥ ॐ उ ना न ॐ उ नित नति
का प्रे ड न द व म ह र्थ न व स्य ति गु सा हि ॥ वावाह ॥ ४